ई. मेल कॉपी

कार्यालय प्रादेशिक कोआपरेटिव डेरी फेडरेशन लि0,

29–पार्क रोड, लखनऊ।

पत्रांकः 372 /डी–2/एमएसडी/ए/मासिक समीक्षा बैठक/17–18 दिनांक 22.05.2017

प्रधान प्रबन्धक/
समस्त दुग्ध संघ।

विषय :–प्रमुख सचिव, दुग्ध विकास, उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में दिनॉक 09.05.2017 को आहुत वीडियो कान्फरेन्सिंग बैठक का कार्यवृत्त ।

कृपया प्रमुख सचिव, दुग्ध विकास, उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में दिनॉक 09.05.2017 को आहूत वीडियो कान्फरेन्सिंग बैठक का कार्यवृत्त आपके सुलभ संदर्भ एवं आपके स्तर से सम्पादित की जाने वाली कार्यवाही के दृष्टिगत प्रेषित किया जा रहा है।
संलग्नकःयथोक्त।

(वी0के0 सिंह)
प्रभारी(एमएसडी)

प्रतिलिपि :
1– समस्त प्रभागाध्यक्ष, पीसीडीएफ मुख्यालय।
2– प्रभारी(समन्वय), पीसीडीएफ,मुख्यालय।
3– प्रबन्ध निदेशक, पीसीडीएफ लि0 को महोदय के संज्ञानार्थ।

(वी0के0 सिंह)
प्रभारी(एमएसडी)

प्रमुख सचिव, दुग्ध विकास, उ0प्र0 शासन, दुग्ध आयुक्त/ प्रबन्ध निदेशक, पीसीडीएफ की अध्यक्षता में दि0 09.05.17 को हुई इकाई प्रभारी समस्त दुग्ध संघ के साथ हुई वीडियो कान्फ्रेन्सिंग का कार्यवृत्त

वीडियो कान्फ्रेन्सिंग हेतु निर्गत एजेण्डा पत्र सं0 09 दि0 5.5.2017 के क्रम में प्रबन्ध निदेशक की अध्यक्षता में हुई वीडियो कान्फ्रेन्सिंग में बिन्दुवार समीक्षा की गयी एवं निम्नवत निर्देश दिये गये।

1. 100 दिवसीय कार्यक्रम के अन्तर्गत डीपीएमसीयू के निर्धारित लक्ष्यों के समक्ष प्रगति की समीक्षा में अधिकांश दुग्ध संघों द्वारा रू0 15000.00 सिक्योरिटी जमा कराने चयनित समितियों के लाभार्थियों के बैंक एकाउन्ट प्राप्त करने एवं उनको कम्प्यूटर में लिस्टिंग कराने में काफी निराशाजनक प्रगति रही। तत्क्रम में निम्न निर्देश दिये गये। **(कार्यवाहीः–संबंधित दुग्ध संघ)**

अ– लक्ष्यानुसार सभी कार्य समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिये गये जिन दुग्ध संघों के इकाई प्रभारी शत–प्रतिशत लक्ष्य समयावधि में पूर्ण करेंगे उनको रिवार्ड दिया जायेगा एवं जिनकी प्रगति सन्तोषजनक नही पाई गई उनके विरूद्व दण्ड प्राविधानित किया जायेगा।**(कार्यवाहीः–संबंधित दुग्ध संघ)**

ब– डीपीएमसीयू हेतु सचिवों से रू0 15000.00 की सिक्योरिटी प्राप्त करने के संबंध में स्पष्ट निर्देश दिये गये कि सिक्योरिटी धनराशि डीडी/आरटीजीएस के माध्यम से अथवा दुग्ध संघ में कैश जमा की जाये। किसी भी दशा में इसको दुग्ध मूल्य भुगतान से समायोजित न किया जाये। **(कार्यवाहीः–समस्त दुग्ध संघ)**

स– उन गांवों को भी डीपीएमसीयू हेतु चिन्हित किया जाये जहां पर मदर डेरी एवं अमूल आदि डेरियॉ चल रही हैं। **कार्यवाही–समस्त दुग्ध संघ)**

100 दिवसीय कार्यक्रम के अन्तर्गत बीएमसी के लक्ष्यों के समक्ष पूर्ति की समीक्षा में फैजाबाद दुग्ध संघ से 1, गोण्डा दुग्ध संघ में 2 एवं कानपुर में 2 बीएमसी क्रियान्वित किये जा चुके हैं। दिये गये लक्ष्यों को शत–प्रतिशत समयावधि में पूर्ण करने हेतु संबंधित दुग्ध संघों के इकाई प्रभारियों को निर्देश दिये गये। **(कार्यवाहीः–संबंधित दुग्ध संघ)**

2. प्रथम त्रैमास में 3100 डीपीएमसीयू स्थापित करने के लक्ष्य के समक्ष मात्र 713 समितियों की सूची उपलब्ध करायी गयी हैं जो अत्यन्त निराशाजनक है। जबकि पूर्व पत्रों के माध्यम से स्पष्ट निर्देश दिये गये थे कि उक्त लक्ष्य के समक्ष समस्त समितियों की सूची जिसमें समिति का नाम, सचिव का नाम एवं मोबाईल नम्बर अंकित हो। यह सूचना दि0 05.05.17 तक उपलब्ध करा दें। अतः इकाई प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि समस्त सूची एक सप्ताह के अन्दर प्रत्येक दशा में उपलब्ध करायें। **(कार्यवाही–समस्त दुग्ध संघ)**

750 बीएमसी के लक्ष्य के समक्ष मात्र 305 स्थलों के चयन की सूची प्राप्त हुई है। समस्त सूची 10 दिन के अन्दर उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। **(कार्यवाही–समस्त दुग्ध संघ)**

3. 520 बीएमसी के समक्ष कुल 226 कार्यरत हैं। बन्द समितियों के पुर्नसंचालन हेतु स्पष्ट निर्देश दिये गये कि जो भी बीएमसी बन्द है उनकी कमियों की जांच कराते हुए उसकी रिपोर्ट 15 दिन के अन्दर प्रेषित करें साथ ही जो भी बीएमसी चलने के योग्य हैं तत्काल क्रियान्वित करायें।

विगत दो माहों में किसी भी समिति का रजिस्ट्रेशन नही कराया गया है। कार्यरत प्रस्तावित समितियों के रजिस्ट्रेशन की सप्ताहवार योजना बनाकर समस्त प्रस्तावित समितियों का रजिस्ट्रेशन करा लें ताकि डीपीएमसीयू स्थापित किये जाने में विलम्ब न हो। **(कार्यवाही–समस्त दुग्ध संघ)**

दुग्ध मूल्य भुगतान की समीक्षा में पाया गया कि वाराणसी दुग्ध संघ द्वारा 31 मार्च,17 तक का भुगतान किया गया है जो कि लगभग 4 सप्ताह विलम्बित है। प्रबन्ध निदेशक महोदय द्वारा सभी इकाई प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिये गये कि दुग्ध मूल्य भुगतान तातारीख किया जाये एवं इसकी धनराशि अन्यत्र व्यय न की जाये। **(कार्यवाही–समस्त दुग्ध संघ)**

4- दुग्ध उपार्जन एवं कार्यरत समितियों की समीक्षा में पाया गया कि गत वर्ष की तुलना में माह अप्रैल–17 में बस्ती, फिरोजाबाद, मुरादाबाद, इलाहाबाद एवं गोरखपुर द्वारा क्रमशः 122, 93, 76, 67, 66 प्रतिशत अधिक उपार्जन किया गया है तथा आजमगढ़, चित्रकूट, अलीगढ़, मेरठ, कानपुर, बरेली द्वारा क्रमशः –4, –4, –12, –20, –29, –41 प्रतिशत गत वर्ष के सापेक्ष अप्रैल–17 में दुग्ध उपार्जन में कमी आई है। इसी प्रकार माह अप्रैल,16 के सापेक्ष अप्रैल–17 में फिरोजाबाद, झांसी, बस्ती, इलाहाबाद, मुरादाबाद दुग्ध संघों में क्रमशः 117, 56, 47, 18, 15 प्रतिशत कार्यरत समितियों में वृद्वि हुई है तथा आजमगढ़, मेरठ, मु0नगर, लखनऊ, कानपुर दुग्ध संघों में क्रमशः

34, –33, –30, –28, –25 प्रतिशत कार्यरत समितियों में कमी आई है। दुग्ध उपार्जन एवं कार्यरत समितियों के लक्ष्यों की शत–प्रतिशत पूर्ति करने हेतु निर्देश दिये गये।

(कार्यवाहीः–संबंधित दुग्ध संघ)

5. ए0जी0 आडिट के संबंध में प्रेषित पत्र सं0 216 दि0 9.4.17 के अनुपालन में मात्र जनपद फैजाबाद, देवीपाटन, कानपुर एवं झांसी द्वारा सूचना उपलब्ध करायी गयी है। एक सप्ताह के अन्दर रिपोर्ट प्रेषित करने के निर्देश दिये गये। (कार्यवाहीः–संबंधित दुग्ध संघ)

6. प्रारम्भिक समितियों/दुग्ध संघ की प्रबन्ध कमेटी के सदस्यों व प्रतिनिधियों के निर्वाचन हेतु सूचना दि0 30.4.17 तक मांगी गयी थी। किसी भी दुग्ध संघ द्वारा रिपोर्ट प्रेषित नही की गयी। एक सप्ताह के अन्दर संबंधित को रिपोर्ट प्रेषित करने हेतु निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही–समस्त दुग्ध संघ)

7. आनलाइन दुग्ध मूल्य भुगतान हेतु दुग्ध उत्पादकों के खाते में भुगतान किये जाने की साप्ताहिक रिपोर्ट निर्धारित प्रारूप पर नही आ रही है, समयानुसार रिपोर्ट प्रेषण के निर्देश दिये गये।

गोरखपुर एवं वाराणसी दुग्ध संघ के इकाई प्रभारियों को सचेत किया गया कि यह दुग्ध संघ विशिष्ट श्रेणी में आते हैं। अतः इन दुग्ध संघों की गतिविधियों पर विशेष ध्यान देकर लक्ष्यों की शत–प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करें। (कार्यवाहीः–संबंधित दुग्ध संघ)